वियना में प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत के दौरान माननीय लोक सभा अध्यक्ष का संबोधन।

- ऑस्ट्रिया के इस खूबसूरत और ऐतिहासिक शहर वियना में आप सभी के बीच उपस्थित होना मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता की बात है।

- भारत और ऑस्ट्रिया के बीच लंबे समय से मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। दोनों देशों के बीच विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बहुपक्षीय संस्थानों में सहयोग की लम्बी परंपरा रही है।

- 2019 में ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री ने दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने की 70वीं वर्षगांठ के दौरान भारत की यात्रा की थी जिसमें व्यापार एवं निवेश, शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति तथा दोनों देशों में **people to people contact** बढाने के विषय पर चर्चा हुई थी।

- दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध पिछले कुछ वर्षों में और ज्यादा गहरे हुए हैं। ऐसा इसलिए संभव हो पाया है कि आपने इसके लिए गंभीर प्रयास किए हैं।

- मुझे जानकारी मिली है कि ऑस्ट्रिया में भारत के 31,000 लोग रह रहे हैं। आप सभी अपने देश की संस्कृति और संस्कारों के वाहक हैं। आप सबने ऑस्ट्रिया में अलग-अलग क्षेत्रों में अपना उत्कृष्ट योगदान देकर अपनी जन्मभूमि एवं कर्मभूमि, दोनों की सेवा की है।

- भारत के समान ऑस्ट्रिया भी एक प्राचीन सभ्यता है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंध इतने प्रगाढ हैं। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक विनिमय पर वर्ष 2016 में एक MoU पर हस्ताक्षर किए गए थे जिसके बाद से सांस्कृतिक गतिविधियों में और तेजी आई है।

- मुझे यह भी जानकारी मिली है कि वियना विश्वविद्यालय द्वारा आज से 176 वर्ष पहले यानी 1845 में संस्कृत के अध्ययन की शुरूआत की गई थी। आज वहां दक्षिण एशियाई अध्ययन के लिए एक अलग संस्थान स्थापित कर दिया गया है, जहां मुख्य रूप से Indology की पढाई की जाती है। ऐसे प्रयासों से दोनों देशों के बीच आपसी समझ विकसित करने में सहायता मिली है।

- मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि वियना में हमारा दूतावास भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता के प्रसार एवं उसे लोकप्रिय बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

- मित्रो, भारत हमेशा से शांति, अहिंसा, आपसी सहयोग और विकास की नीति पर चलने में विश्वास रखता आया है।

- हमारे लिए यह खुशी की बात है कि विश्व में आप्रवासी नागरिकों के मामले में भारत पहले स्थान पर है। भारतीय मूल के 1 करोड़ 80 लाख से अधिक व्यक्ति विदेशों में रह रहे हैं। वे जिन देशों में रह रहे हैं वहां के विकास के लिए तो कार्य कर ही रहे हैं, अपनी मातृभूमि की सेवा भी कर रहे हैं।

- भारतीय प्रवासियों द्वारा भेजी गई धनराशि का देश के विकास में बहुमूल्य योगदान है। आप न सिर्फ अपने देश की आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं बल्कि आपके कार्यों से हमारे देश की एक सकारात्मक छवि भी बन रही है। इससे देश में निवेश भी बढेगा और हमारा अंतरराष्ट्रीय प्रोफाइल भी अच्छा होगा।

- आप विदेशों में रहते हुए भारत की सांस्कृतिक, भाषायी और धार्मिक विविधताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। अंतरराष्ट्रीय Diplomacy में आप्रवासी नागरिक Soft Power के रूप में कार्य करते हैं।

- मुझे बताया गया है कि ऑस्ट्रिया के विभिन्न संस्थानों में भारत से लगभग 500 छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। अन्य भारतीय नागरिक मुख्य रूप से हेल्थकेयर के क्षेत्र में काम कर रहे हैं अथवा Self Employed हैं।

- साथियो, कोविड वैश्विक महामारी ने हमें बताया है कि अंतरराष्ट्रीय समस्याओं का सामना करने के लिए world cooperation और national action दोनों आवश्यक हैं।

- कोविड महामारी ने पूरी दुनिया में गंभीर सामाजिक, आर्थिक स्थितियां पैदा की हैं। इसने लाखों लोगों की जानें ही नहीं लीं बल्कि करोडों लोगों की आजीविकाओं पर भी असर डाला है। इस परिस्थिति में आत्मनिर्भर समाज और राष्ट्र का निर्माण हम सभी का लक्ष्य होना चाहिए।

- इसी उद्देश्य से, भारत सरकार ने 'आत्म निर्भर भारत अभियान' की शुरूआत की है। भारत को आत्मनिर्भर बनाने का स्वप्न तभी साकार हो सकेगा जब हम अपने strength को पहचान कर कार्यनीति बनाएंगे।

- आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं है बल्कि अपनी शक्तियों के आधार पर Global Supply Chain का एक अभिन्न एवं महत्वपूर्ण हिस्सा बनना है। आपने देखा होगा कि किस प्रकार हमने कोविड की चुनौतियों को सामूहिक शक्ति एवं संकल्प से अवसर में बदला तथा सिर्फ अपनी ही आवश्यकताएं पूरी नहीं की बल्कि पूरे विश्व की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कार्य किया।

- आज भारत विश्व में पूरे आत्मविश्वास से आर्थिक विकास एवं समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर है। भारत की युवा शक्ति ने संपूर्ण विश्व में अपनी प्रतिभा एवं कौशल का परिचय दिया है।

- हमारे नागरिक विश्व की अग्रणी कंपनियों का नेतृत्व संभाल रहे हैं तथा स्टार्ट अप एवं Unicorn के मामले में भी भारत शीर्ष स्थान पर है।

- इसलिए मुझे पूर्ण विश्वास है कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी तथा हमारा देश सभी क्षेत्रों में विश्व में सबसे आगे रहेगा।

- साथियो, भारत सरकार ने सदैव भारतीय मूल के लोगों के कल्याण को और आपके बहुमूल्य योगदान को अत्यधिक महत्व दिया है।

- भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान को सम्मान देने के लिए प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाने वाला प्रवासी भारतीय दिवस भारत में अत्यंत लोकप्रिय समारोह बन गया है।

- साथियो, भारत की आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में सरकार इस ऐतिहासिक अवसर को **आजादी के अमृत महोत्सव** के रूप में मना रही है।

- आजादी का अमृत महोत्सव के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक नए और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की परिकल्पना की है। इसके द्वारा हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान तो किया ही जा रहा है, वर्तमान पीढी को उनके राष्ट्रीय दायित्वों से अवगत भी कराया जा रहा है।

- मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी विदेश में रहते हुए अपनी मातृभूमि से जुडे रहेंगे और दोनों देशों के बीच एक सकारात्मक सम्पर्क सूत्र बने रहेंगे।

- इन्हीं शब्दों के साथ, मैं आप सभी के प्रति पुनः हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में भारत और आस्ट्रिया के संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

- मैं हमारे राजदूत श्री जयदीप मजूमदार जी और उनकी टीम को दूतावास में उत्तम व्यवस्था करने के लिए धन्यवाद देता हूं। जय हिन्द।